लखनऊ-कानपुर के बीच 200 ई-बसें चलेंगी

फैसला

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला मुख्यालयों वाली नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित नगर पालिका के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि 20 साल बाद अब नगर निगमों की वित्तीय स्वीकृति सीमा बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने लखनऊ-कानपुर में 200 इलेक्ट्रिक बसों को नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मोड पर चलाने औ अन्य नगरों में 650 बसों की प्रत्यक्ष खरीद के प्रस्ताव को भी तुरंत प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

शुक्रवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अफसरों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कि योजना के अंतर्गत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लासरूम, आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी स्टेशन, डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' आधारित ढांचे भी स्थापित होंगे।

- योगी बोले-बेहतरीन नगरीय अवस्थापना का मानक बनेंगी जिला मुख्यालयों की पालिकाएं
- नगर विकास की समीक्षा में कहा-नगर निगमों की वित्तीय स्वीकृति सीमा 20 साल बाद बढ़ेगी
- नगर पालिकाओं में गौरव पथ, स्मार्ट क्लास रूम, ईवी स्टेशन और डिजिटल सेवाएं बढ़ेंगी

650

रोडवेज बसों की खरीद पूरे प्रदेश के जिलों में चलाने के लिए करेगी योगी सरकार

लखनऊ में शूटिंग रेंज

योगी ने लखनऊ में शहीद चंद्रशेखर आजाद शूटिंग रेंज, बहुउद्देश्यीय खेल परिसर स्थापना के निर्देश दिए। इन्हें पीपीपी मोड पर प्राथमिकता से शुरू कराएं, जिससे प्रतिभाओं को पहचान और रोजगार के अवसर सृजित हों।

हब एंड स्पोक मॉडल से किया जाएगा विकास

योगी ने निर्देश दिए कि नगर पालिकाओं का विकास हब-एंड-स्पोक मॉडल से किया जा सकता है। जैसे लखनऊ-गोरखपुर एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती जिला मुख्यालयों की पालिकाओं को जोड़ा जा सकता है। इससे निगरानी, सुरक्षा, शिकायत निवारण जैसी सेवाओं में आधुनिकता मिलेगी। हर पालिका में परियोजनाओं का चयन स्थानीय जरूरतों पर करके वित्तीय आवंटन भौतिक-वित्तीय प्रगति अनुसार करें।

> मेड इन यूपी को प्राथमिकता P10